सुविचार
मनुष्य को हमेशा यह नही सोचना चाहिए की वो अपने जीवन में कितना खुश है, बल्कि यह सोचना चाहिये की उस मनुष्य की वजह से दूसरे कितने खुश है।

साप्ताहिक युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-48 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 6 जनवरी 2023 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

पढ़िए भ्रमण की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार क्या है और कब इस पर प्रतिबंध लागू होते हैं/Fundamental of Right........

कहते हैं कि विभिन्न संस्कृतियो को जानने एवं सभ्यताओ को समझने का एक प्रमुख स्त्रोत होता है भ्रमण करना। कोलम्बस एवं वास्कोडिगामा ने तो इस लक्ष्य की प्राप्ति में सम्पूर्ण विश्व को अपने कदमो से नाप दिया था। इसी प्रकार बहुत से भ्रमणकर्ता द्वारा देश-विदेश का भ्रमण कर अध्यात्म की ऊंचाइयों एवं गहराइयों को छू लिया था। इसी लिए ऐसे महत्वपूर्ण विषय को संविधान में स्थान देना कोई आश्चर्य की बात नहीं है इसलिए भारतीय संविधान में भी भ्रमण का अधिकार एक मौलिक अधिकार हैं जानिए।

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 19(1)(घ) की परिभाषा?

भारत के नागरिकों को भारत के सम्पूर्ण राज्यों में स्वतंत्रता पूर्वक भ्रमण करने (आने-जाने)का अधिकार प्राप्त है। इसका उद्देश्य प्रान्तीयतावाद जैसी संकुचित भावना को समाप्त करके प्रत्येक नागरिक में राष्टभक्ति की सृष्टि का संचार करना है।

भ्रमण के मौलिक अधिकार पर सरकार कब प्रतिबंधित लगा सकती है जानिए?

भ्रमण या घूमने के अधिकार पर राज्य निम्न परिस्थितियों में रोक लगा सकता है-

1.कोई ऐसा स्थान जो साधारणतया जनता के लिए खतरनाक हो या असुरक्षित हो।

2. या कोई ऐसा स्थान जो अनुसूचित जनजाति के हित में लिए संरक्षण किया गया हो।

उक्त दोनो आधार पर ही राज्य भ्रमण के अधिकार पर प्रतिबंध लगा सकती है।

?? लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

बिकलांग बालक के साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार करना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए/JJ Act,....

किशोर न्याय(बालको की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम,2015 किशोरी बालक के सम्पूर्ण संरक्षण करने के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण अधिनियम हैं जिसमे सभी प्रकार के बालको की सुरक्षा एवं संरक्षण किया जाता है, अगर कोई बालक निःशक्त हैं और किसी भी प्रकार का अत्याचार उस पर किया जाता है तब अत्याचार करने वाले व्यक्ति को क्या दण्ड का प्रावधान होगा जानिए।

किशोर न्याय(बालको की देख रेख एवं संरक्षण) अधिनियम,2015 की धारा 85 की परिभाषा?

ऐसा कोई किशोर बालक जो किसी डॉक्टर द्वारा या मेडिकल परीक्षण द्वारा निःशक्त रूप से प्रमाणित किया हो, तब ऐसे बालक को कोई शारीरिक दण्ड देगा, भीख मंगवाएगा, नशीले पदार्थ का सेवन कराएगा, शराब की दुकान या बियर-बार काम करवाएगा, शोषण करेगा आदि तब ऐसे व्यक्ति को धार 85 के अंतर्गत दोषी ठहराया जाएगा।

दण्ड का प्रावधान- यह अपराध पूर्ण तरह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध हैं, इस अपराध की सुनवाई प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है। सजा इस अपराध के लिए सामान्य बालक पर अत्याचार करने पर जो दण्ड का प्रावधान हैं उसके दण्ड से दुगना दण्ड दिया जाएगा। अर्थात बाल कर्मचारी के शोषण करने पर पांच वर्ष की कारावास एवं एक लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित किया जाता है अगर यही अपराध निःशक्त बाल कर्मचारी के साथ किया जाए तो अधिकतम दस वर्ष की कारावास और दो लाख रुपए का दंड का प्रावधान होगा।,,

?? कानूनी जानकारी लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

जल को सहयोग और समन्वय का विषय बनाना प्रत्येक राज्य की जिम्मेदारी : मोदी

प्रदेश में जन-भागीदारी से जल प्रबंधन के लिए गतिविधियाँ जारीः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में पहली बार जल-संरक्षण पर राज्यों के मंत्रियों का प्रथम अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेशन सेंटर भोपाल में आरंभ हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी के वर्चुअली दिए गए वीडियो संदेश से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने विचार रखे। केन्द्रीय जलशक्ति और खाद्य प्र-संस्?करण उद्योग राज्य मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल उपस्थित थे। वाटर विजनञ्च2047 में सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी और सिंचाई मंत्री तथा संबंधित विभागों के अधिकारी सम्मिलित हुए। छह जनवरी तक चलने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन में जल समस्याओं के समाधान का रोडमैप तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में पानी का विषय राज्यों के नियंत्रण में आता है। जल-संरक्षण के लिए देश

जल पर देश के सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों का पहला अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन आरंभ

को समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। जल को सहयोग और समन्वय का विषय बनाना प्रत्येक राज्य की जिम्मेदारी है। जल प्रबंधन में सरकार के प्रयासों के साथ जन-भागीदारी बढ़ाने के लिए सार्वजनिक पहल और सामाजिक संगठनों को जोड़ना आवश्यक है। जन-भागीदारी का लाभ यह होता है कि जनता को भी उस कार्य की गंभीरता और उसमें लगाए गए संसाधनों की जानकारी मिलती है और जनता उस गतिविधि के प्रति सेंस ऑफ ओनरशिप का अनुभव भी करती है। स्वच्छ भारत अभियान इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश हर जिले में 75 अमृत सरोवर बना रहा है, जिसमें अब तक 25 हजार अमृत सरोवर बन चुके हैं। उन्होंने समस्याओं की पहचान करने और समाधान खोजने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग और स्टार्टअप को इनसे जोड़ने की आवश्यकता बताई। जल जीवन मिशन की सफलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने प्रस्ताव दिया कि ग्राम पंचायतें जल जीवन मिशन का नेतृत्व करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती, जल-संरक्षण पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। देश में ड्रॉप-मोर क्रॉप अभियान को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने अटल भू-जल संरक्षण योजना में भू-जल पुर्नभरण के लिए माइक्रो स्तर पर गतिविधियाँ संचालित करने की आवश्यकता भी बतायी।

महाराणा प्रताप की जयंती पर होगा अवकाश

मनुआभान की टेकरी पर स्थापित होगी महारानी पद्मावती की प्रतिमा, आज ही हुआ भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महाराणा प्रताप ने कभी भी स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया। वे हमारी शक्ति, सामर्थ्य और प्रेरणा के स्त्रोत हैं। पृथ्वीराज चौहान ने 18 बार विदेशी अक्रांताओं को परास्त किया था। राणा सांगा, बप्पा रावल, रानी पद्मावती, कुंवर सिंह, राणा बख्तावर सिंह, कुंवर चैन सिंह एक नहीं अनेक ऐसे शूरवीर और क्रांतिकारी भारत भूमि में हुए, जिन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दुश्मन को नेस्तनाबूद कर दिया। देश की सीमाओं की रक्षा हो या दीन-हीन और कमजोरों की अत्याचार से रक्षा, क्षत्रिय समाज ने कभी अपनी जान की परवाह नहीं की। ऐसे भाई-बहनों को मैं प्रणाम करता हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास परिसर में क्षत्रिय समागम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश के लिए जीने मरने वालों और धर्म संस्कृति की रक्षा करने वालों की छवि धूमिल करने का किसी को अधिकार नहीं है। राज्य सरकार सबके साथ-सबके विकास में विश्वास रखती है। सरकार की ओर से समाज के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने तथा उसमें वृद्धि के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्षत्रिय समागम में प्रस्तुत 21 सूत्रीय मांग पत्र के परिप्रेक्ष्य में मांगे स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप की जयंती पर अवकाश स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिल्म पद्मावती पर प्रतिबंध की मांग को लेकर हुए आंदोलनों संबंधी

प्रकरण वापिस लिए जाएंगे। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाने के संबंध में समाज के साथ मिल कर कार्य-योजना बनाई जाएगी। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों से कम परीक्षा शुल्क लिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों और परिवारों की वंशावली आदि से छेड़छाड़ करने वालों पर कानून कार्यवाही की जाएगी। पाठ्यक्रम समिति में एक प्रतिनिधि राजपूत समाज का होगा, इतिहास को सही संदर्भ में लिखा जाएगा और पाठ्यक्रमों की गड़बड़ियों को ठीक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ग के गरीब विद्यार्थियों को विशेष सहयोग देने की व्यवस्था की जाएगी। सवर्ण आयोग में एक राजपूत क्षत्रिय प्रतिनिधि आवश्यक रूप से सम्मिलित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सीडीएस स्व. श्री विपिन रावत की प्रतिमा लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध कराई जाएगी और स्थानीय निकाय की सहायता से प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजपूत क्षत्रिय समाज के युवाओं को जरूरत पड़ने पर आर्थिक सहयोग के लिए सहकारिता विभाग द्वारा केस क्रेडिट सोसाइटी बनाई जाएगी और राज्य शासन उसमें सहयोग करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए आरक्षण में आय सीमा 8 लाख रूपये तक होगी और एमपीपीएससी की भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गौशालाओं को अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा तथा गाय के गोबर व गौमूत्र खरीदने एवं बेचने की पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध की जाएगी। महापुरुषों की मूर्तियाँ स्थापित करने के लिए चर्चा कर कदम उठाए जायेंगे।

कम्पलीट बिजनेस साल्यूशन वाले फ्यूचर रेडी स्टेट म.प्र. में निवेशकों का बढ़ा रूझान

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को कंपलीट बिजनेस साल्यूशन के साथ फ्यूचर रेडी स्टेट बनाने से प्रदेश में निवेश के लिए देश-विदेश के निवेशकों का रूझान बढ़ रहा है। यहाँ बिजनेस स्टार्ट करने के लिये शासकीय अनुमतियों से लेकर इंडस्ट्री प्रारंभ करने के बाद उसके सफल संचालन के लिये आवश्यक सभी सुविधाएँ आसानी से प्राप्त हो जाती हैं।

भारत में निवेश के लिए सर्वोत्तम राज्य

क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा राज्य मध्यप्रदेश भारत का हृदय है और आज ये सबसे तेज गति से विकास पथ- पर अग्रसर है। राज्य प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों से संपन्न है। राज्य में 95 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र, 7 स्मार्ट सिटी और बेहतरीन यातायात व्यवस्था है। राज्य में खेती एवं प्रोसेसिंग क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है, जिससे औद्योगिक निवेश के लिए माहौल बन रहा है। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, टेक्सटाईल, लॉजिस्टिक, आईटी, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, शहरी विकास ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। राज्य में कुशल मानव संसाधन और उचित मूल्य पर भूमि की उपलब्धता, राज्य में औद्योगिक वातावरण को तैयार करती है। सरकार की नीति और प्रशासन का सहयोग इस दिशा में मददगार साबित हो रहा है। मध्य प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए वह सभी कुछ है, जो निवेश के लिए आवश्यक है।

विश्व-स्तरीय कनेक्टिविटी

देश के केंद्र में स्थित होने के कारण मध्यप्रदेश की सीमा देश के 5 राज्यों से लगती है और यह देश की तकरीबन 50 प्रतिशत आबादी को प्रवेश देता है। यह देश के किसी भी उपभोक्ता बाजार से अधिकतम 15 घंटे की दूरी पर स्थित है। भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो में कुल 5 कॉमर्शियल हवाई अड्डे हैं। 20 से अधिक रेल जंक्शन और राज्य में 550 से अधिक ट्रेनें संचालित होती है। मालनपुर, मंडीदीप, पवारखेड़ा, रतलाम, तिही, धन्नद में 6 इनलैंड कंटेनर डिपो हैं। मध्यप्रदेश देश के कई बड़े प्रोजेक्टस से जुड़ा हुआ है। दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कॉरिडोर के तहत मध्य प्रदेश के हिस्से में औद्योगिक क्षेत्र विक्रम उद्योगपुरी, उज्जैन आया है।

7 जनवरी को अनूपपुर में होगी सीनियर महिला एव पुरुष व्हालीवाल चैमिपयनशिप हेतु ट्रायल चयन प्रतियोगिता का आयोजन

कैलाश कुमार ❑ अनूपपुर

मध्य प्रदेश एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में 68 वी म.प्र. राज्य सिनियर महिला एव पुरुष व्हालीवाल चैमिपयनशिप का आयोजन 16 जनवरी से 19 जनवरी 2023 तक नरसिहपुर जिले मे आयोजीत किया जा रहा है , इस प्रतियोगीता मे अनूपपुर जिले की महिला एंव पुरुष टीम भी भाग लेगी, इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों के चयन हेतु आगामी दिनांक 7.1.2023 दिन शनिवार को जिला खेल परिसर चचाई रोड अनूपपुर मे सुबह 10 बजे से सीनियर महिला एव पुरुष चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, चयनित खिलाडियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे खेलने का अवसर मिलेगा ,चयन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 18 वर्ष के ऊपर सभी खिलाडियों को अनूपपुर जिले का निवासी होना अनिवार्य है सभी खिलाड़ी अपने साथ आधार कार्ड ,10 वी की अंकसूची, समग्र आईडी, 2 पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रुप से लेकर आना होगा उक्त जानकारी जिला बालीवाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा और सचिव रामचंद्र यादव,विनोद विन्धेश्वरी प्रसाद पांडेय जी के द्वारा दी गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती है। मैच में सफल खिलाडी वॉलीबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए चिन्हित किए जाएंगे जो नरसिहपुर जिले में 16 जनवरी से 19 जनवरी 2023 से आयोजित की जाएगी।

लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है सरकार, 65 लाख के कार्यो का किया भूमिपूजन और लोकार्पण: मंत्री चौधरी

❑ रायसेन

स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा गैरतगंज तहसील में लगभग 75 लाख रू लागत के विभिन्न कार्यो का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। उन्होंने गैरतगंज तहसील के ग्राम पापड़ा में 12 लाख रू की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया। साथ ही ग्राम खामखेड़ा में 3.56 लाख रू लागत के सीसी रोड तथा ग्राम टेहरी मुरपार में टेहरी से मुरपार तक 49 लाख रू की लागत से बनने वाली डामरीकृत रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

इन लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रमों में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास के किसी भी मामले में क्षेत्र पीछे ना रहे, लोगों को बेहतर सुविधाएं मिले, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे। इसके लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में गॉव-गॉव में स्वास्थ्य केन्द्र खोले जा रहे हैं जिससे कि ग्रामीणों को गॉव में ही उपचार मिले। उन्हें दूर ना जाना पड़े। आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड से निजी अस्पतालों में एक साल में पांच लाख रू तक का नि:शुल्क इलाज करा सकते हैं। जिन्होंने अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाएं हैं, वह शीघ्र बनवा लें। स्वास्थ्य मंत्री ने मंच से ही पंचायत सचिव तथा संबंधित अधिकारियों को सभी पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि सभी लोगों के पास स्वयं का पक्का घर हो, इसके लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर बनाने के लिए राशि दी जा रही है। गॉवों में अनेक लोगों के आवास बन गए हैं, जिन लोगों को अभी लाभ नहीं मिला है, उनका नाम भी जल्द ही पीएम आवास की सूची में आ जाएगा। कोई भी गरीब प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में जिनके पास रहने के लिए आवासीय भू-खण्ड नहीं है, उन जरूरतमंदो को भू-खण्ड उपलब्ध कराने का कार्य प्रदेश की सरकार द्वारा किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत सभी गॉवों में हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी। कुओं पर, हैण्डपम्पों से पानी लाना पड़ता था। लेकिन अब घर पर ही टोंटी पानी उपलब्ध कराने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गॉव-गॉव को सड़कों से जोड़ा जा रहा है।

नवीन स्कूल भवन, आंगनवाड़ी भवन बनाए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। बच्चों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए सीएम राईज स्कूल खोले जा रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा ने कहा कि सरकार द्वारा गॉवों में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। चाहे पंचायत भवन बनाने की बात हो, स्कूल भवन या आंगनवाड़ी भवन की बात हो या सड़कों की बात हो। गॉवों को मुख्य मार्गो से जोड़ा जा रहा है, रोजगार के नए-नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिध, अधिकारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी मनेंद्रगढ़ हुए सम्मानित ... नवयुवक यादव समाज द्वारा स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मान

कैलाश कुमार ❑मनेंद्रगढ़

हम आपको बता दें कि विगत दिनों 25 दिसंबर को हुए सांस्कृतिक भवन मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी नवयुवक यादव समाज सेवा समिति कार्यक्रम में बतौर मीडिया प्रभारी के रूप में श्री यीशै? दास सम्मिलित हुए तत्पश्चात श्री दास को बेस्ट मीडिया प्रभारी हेतु स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया है। दास हमेशा निरंतर जनहित सहित विभिन्न कार्यक्रमों माध्यम से बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं उनके सम्मानित होने से उनके शुभचिंतकों में दौड़ पड़ी खुशी की लहर? लगा बधाईयो का ताता।

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को घोषित किया जाए सरकारी कर्मचारी

❑सीहोर

अखिल भारतीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका महासंघ ने 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शासकीय कर्मचारी घोषित कर सभी शासकीय सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाए। प्रदेश सरकार द्वारा घोषित 1500 रुपए एरियर्स के साथ भुगतान किया जाएं। राज्य सरकार को केंद्र सरकार से समन्वय कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया के नियमों में संशोधन करते हुए मानदेय या मानसेवा की जगह नियमित और सीधी भर्ती की जाने की नियमावली बनाई जाए। जब तक नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन नहीं किया जाता है तब तक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय अतिरिक्त मानदेय में केंद्र से निर्धारित मंहगाई भत्ते को लागू कर भुगतान कार्यकर्ता को 18 हजार, सहायिका को 9 हजार रुपए किया जाए। सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभाग की ओर से कम से कम 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कराया जाए एवं सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मिनी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना की पात्रता में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला बाल विकास के अलावा किसी भी अन्य कार्य में ड्यूटी न लगाई जाए, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें और जीवन से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित न हों। हर गर्भवती शिशुवती और बच्चों की सही देखरेख हो और देश को एक स्वस्थ्य और आदर्श नागरिक प्राप्त हो सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रत्येक मद में प्राप्त राशि और पोषण, खेल, स्वास्थ्य संबंधित सभी सामग्री उनके केंद्रों पर समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाए और पोषण ट्रैकर और संपर्क एप को मर्ज करके एक ही एप से कार्य कराया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए ज्यादा से ज्यादा भवन उपलब्ध कराए जाएं और जो भवन किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं उनका किराया वर्तमान स्थिति के आधार पर बढ़ाकर प्रदान किया जाए। अन्य विभागों की तरह महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी एक-एक करके कम से कम 15 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया जाए। 10 वर्ष के अनुभव, शिक्षा और वरिष्ठता के आधार पर पर्यवेक्षक पद पर बिना किसी परीक्षा के सीधी भर्ती की जाए और मध्यप्रदेश के बाहर के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएं।

रक्त दान महादान:

रक्तदान शिविर में सभी से रक्तदान करने एवं सहभागिता निभाने कलेक्टर ने की अपील

शहडोल-कैलाश कुमार

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने सभी आम जनमानस, स्वयसेवी संस्थाओ, इलेक्ट्रॉलिक एवं प्रिंट मीडिया, प्रबुद्व जनों, जन प्रतिनिधियों से रक्तदान की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और मानवता की परंप सेवा तथा इंसानियत का सर्वश्रेष्ठ धर्म है, सभी को रक्तदान करना चाहिए, उनके रक्तदान से किसी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर नव जीवन दिया जा सकता है। एक रक्तदान से चार जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। गौरतलब है कि आगामी 3 जनवरी 2023 को जिला चिकित्सालय के पैथालॉजी कक्ष में सांझी रसोई शहडोल के सहयोग एवं जिला रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अतएव सभी 3 जनवरी 2023 को जिला चिकित्सालय के पैथालॉजी कक्ष में आयोजित होने वाले विशाल रक?तदान शिविर में रक्तदान कर अपना सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता निभायें।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न

❑विदिशा

शासकीय कन्या महाविद्यालय में शासन द्वारा नव नियुक्त जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी की अध्यक्षता में आज बुधवार को बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में महाविद्यालय में आगामी नैक निरीक्षण, महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन छात्रावास, बहुउद्देशीय सभागार एवं प्रयोगशालाओं का समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा निरीक्षण किया गया एवं आगामी नैक निरीक्षण संबंधी प्रतिवेदन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मंजू जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। बैठक में रखे गए समस्त प्रस्तावों पर अध्यक्ष एवं सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कुछ प्रस्तावों को आगामी बैठक के लिए एवं कुछ प्रस्ताव जो नगरपालिका से संबंधित थे। उनका अनुमोदन कर नगरपालिका अध्यक्ष से सहमति प्राप्त कर आगामी रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी सहित समिति सदस्य एवं विदिशा एसडीएम गोपालसिंह वर्मा, राकेश शर्मा, मनोज पाण्डे, सुरेन्द्र रघुवंशी, संजय पाण्डेय, रामजी सोनी, जसवीरसिंह चावला, श्रीमती रेखा लोया, कुमोनिका शर्मा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री युवा इंटर्नषिप योजना हेतु साक्षात्कार प्रारंभ: राजगढ़। मुख्यमंत्री युवा इंटर्नषिप योजना-2022 मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र की चयन प्रक्रिया के द्वितीय चरण में आज जिले के शासकीय पोलिटेनिक कॉलेज राजगढ़ में साक्षात्कार प्रारंभ हो गया है। जो 09 जनवरी, 2023 तक जारी रहेगा। कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने साक्षात्कार के लिए चयनित युवाओं से चर्चा की।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु इनाम घोषित

शहडोल-कैलाश कुमार

शहडोल। पुलिस अधीक्षक कार्यालय शहडोल से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जयसिंहनगर में संतोष बैगा उर्फ बहादुरा पिता रामशरण बैगा निवासी ग्राम चितरांव के विरुद्ध अपराध क्रमांक 606/ 22 धारा 363, 354, 323, 342 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध के किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु हर संभव प्रयास किया गया परंतु आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक ने पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा क्रमांक– 80बी (1) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आरोपी के संबंध में उदघोषणा करता हूं– जो कोई फरार आरोपी की सूचना देगा या गिरफ्तार करायेगा अथवा गिरफ्तारी के लिए विश्वसनीय सूचना देगा उसे ?5000 का इनाम प्रदान किया जाएगा। जारी आदेश में कहा गया है कि सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में जिला पंचायत शहडोल उत्कृष्ट

सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को दी बधाई

शहडोल – कैलाश कुमार

शहडोल – पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अन्तर्गत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण प्राथमिकता के साथ कराने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र को मध्यप्रदेश शासन के विकास आयुक्त श्री मलय श्रीवास्तव द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र ने सीएम हेल्पलाइन का कार्य कर रहे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसी प्रकार भविष्य में भी निष्ठा एवं समर्पण भावना से आमजन की सेवा निष्पादन में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराते रहेंगे। ज्ञातव्य हो कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विगत 8 माह से सीएम हेल?पलाइन में प्रा?त शिकायतों के निराकरण में जिला पंचायत शहडोल ए– ग्रेड प्राप्त कर रहा है।

उपनिरीक्षक जितेन्द्र सिंह एवं सउनि भगवान दीन पटेल पुलिस विभाग से हुये सेवानिबृत

अनूपपुर - कैलाश कुमार

अनूपपुर – उपनिरीक्षक श्री जितेन्द्र सिंह जिनका जन्म 27.12.1960 को जिला रीवा में हुआ था। जो पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर 01.07.1981 को नियुक्त हुये थे। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक तक जिला शहडोल, जीआरपी इटारसी एवं जिला अनूपपुर में पदस्थ होकर दिनांक 31.12.2022 को उपनिरीक्षक के पद से आर्दधवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिबृत हुये एवं सहायक उपनिरीक्षक श्री भगवान दीन पटेल इनका जन्म जिला रीवा में 01.01.1961 को हुआ था। जो दिनांक 16.04.1984 को राज्य विभाजन के पूर्व जिला जगदलपुर छ0ग0 में आरक्षक के पद पर नियुक्त हुये थे। जो राज्य विभाजन से पूर्व छ0ग0 के जिला जगदलपुर, दंतेवाडा, कांकेर एवं विभाजन के बाद मध्यप्रदेष के जिला सागर एवं अनूपपुर में पदस्थ होकर दिनांक 31.12.2022 को सहायक उपनिरीक्षक के पद से आर्दधवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिबृत हुये हुये। सेवानिबृति के अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पवांर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन के द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुलिस स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मानित किया गया एवं दीर्घायु व स्वस्थ्य रहने की कामनां की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवांर, अतिरिक्त पुलिस श्री अधीक्षक अभिषेक राजन, पुलिस अधीक्षक के निज सचिव एन0एस0ठाकुर, मुख्य लिपिक धर्म सिंह परस्ते एवं कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बंदियों को बताया गया अधिकार, प्लीबारगेनिंग विषय पर आयोजित हुआ शिविर

शहडोल - कैलाश कुमार

शहडोल - प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में एवं जिला न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती निशा विश्वकर्मा की अध्यक्षता एवं उपस्थिति में जिला जेल शहडोल में विचाराधीन बंदियों के मध्य बंदियों के अधिकार एवं प्लीबारगेनिंग विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन एवं जेल का निरीक्षण किया गया विचाराधीन बंदियों को संबोधित करते हुए श्रीमती निशा विश्वकर्मा ने कहा कि जेल में निरूद्ध समस्त बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान किये जाने के लिये जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृतसंकल्पित है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती निशा विश्वकर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि प्लीबारगेनिंग दाण्डिक मामले का समझौते के आधार पर अंतिम निराकरण हेतु एक उपबंध है यदि कोई अभियुक्त जिसके विरूद्ध न्यायालय में कोई मामला चल रहा है तथा ऐसा मामला 7 वर्ष से अधिक कारावास से दंडनीय न हो तथा महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध न हो एवं देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने वाला न हो ऐसे मामलों में अभियुक्त प्लीबारगेनिंग प्रक्रिया का लाभ उठा सकता है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत अभियुक्त को परिवीक्षा पर छोड़ा जा सकता है अथवा अपराध के लिये यदि न्यूनतम दण्ड उपबंधित किया गया है तो ऐसे न्यूनतम दण्ड का आधा अथवा अधिकतम दण्ड के एक चौथाई दण्ड की सजा से दण्डित किया जायेगा। इस प्रकिया में यदि अभियुक्त उसे आदेशित किये गये दण्ड की अवधि करागार में भुगत चुका है तो अभियुक्त को कारागार से तुरंत मुक्त कर दिया जायेगा जिला न्यायाधीश ने निःशुल्क विधिक सहायता के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल द्वारा बंदियों को उनके प्रकरणों से संबंधित जानकारी दी गयी श्रीमती विश्वकर्मा ने पुरुष एवं महिला सेल के निरीक्षण के दौरान समस्त बंदियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण ठण्ड से बचाव हेतु आवश्यक उपायों एवं जेल नियमावली के अनुसार बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं को प्रदान करने के लिये जेल प्रशासन को निर्देशित किया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अमित शर्मा, जेल उपाधीक्षक श्री हरपाल सिंह राठौर जेल सहायक अधीक्षक श्री गणेश ठाकुर श्री सूरज सिंह सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुराचार के आरोपी ने किया सरेंडर, घटना के बाद बढ़ा था क्षेत्र में तनाव

❑ **बैतूल**

बैतूल में नाबालिग से दुराचार के आरोपी को बुधवार को जेल भेजा गया। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया था, जिसके बाद आरोपी ने मंगलवार को सरेंडर किया था। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया था, उपद्रवियों ने आरोपी की कार में आग लगा दी थी। बैतूल कोतवाली थाना इलाके में सोमवार को हुए नाबालिग बालिका के साथ दुराचार के मामले में आरोपी रमेश गुलहाने को कोतवाली पुलिस ने बुधवार को न्यायालय में पेश किया, न्यायालय में सुनवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। आरोपी रमेश गुलहाने आटा चक्की संचालक है, पहले वह नगर पालिका बैतूल में एल्डरमैन रह चुका है। आरोपी आठ साल पहले भाजपा की टिकट पर पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल वह भाजपा की सक्रिय राजनीति में शामिल नहीं है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी रमेश गुलहाने घटना के बाद से फरार था, जिसकी तलाश में पुलिस टीम कर रही थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस की लगातार सर्चिंग एवं सघन जांच के डर से आरोपी ने खुद को सरेंडर किया है। नाबालिग के साथ दुराचार की घटना के बाद कोतवाली थाना इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था और आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर के सामने खड़ी कार में आग लगा दी थी। भीड़ एकत्रित होने पर पुलिस ने हल्के बल का प्रयोग भी किया था।

एडिशनल एसपी नीरज सोनी का कहना है कि यह घटना सोमवार को हुई थी, इसमें धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

इंदौर के जिम में होटल मालिक को आया अटैक, हो गई मौत

इंदौर। इंदौर के जिम में दिल का दौरा पड़ने से फिर एक होटल मालिक की मौत हो गई। इसी माह 18 जनवरी को उनके बेटे की शादी भी है। वे रोज दो घंटे जिम में बिताते थे। 55 वर्षीय प्रदीप रघुवंशी का स्कीम-78 में वृंदावन होटल है। वे विगत साल भर से क्षेत्र के एक जिम जाते थे। रोज की तरह वे गुरुवार सुबह जिम में पहुंचे और कसरत शुरू की। ट्रेडमिल पर वॉक करने के बाद वे अपनी जैकेट उतार रहे थे, तभी उन्हें चक्कर आने लगे। उन्होंने पास रखी एक टेबल का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन वे गिर पड़े। जिम में कसरत कर रहे कुछ युवक उन्हें समीप के अस्पताल में ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रघुवंशी भाजपा के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के भी काफी करीबी रहे। रघुवंशी पहले कंस्ट्रक्शन कारोबार से भी जुड़े थे। बाद में स्कीम-78 में होटल खोल ली थी। सेहत के प्रति सजग रहने वाले रघुवंशी रोज जिम जाते थे और व्यायम के फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर करते थे। इस माह उनके बेटे की शादी भी है।

अजाक्स सतना निःशुल्क कोचिंग कैरियर फिर मिला नया व अनुभव से भरा मार्गदर्शन

सतना–कैलाश कुमार

सतना - अजाक्स सतना निःशुल्क कोचिंग कैरियर मार्गदर्शन सेवा में आज दिनांक 01/01/2023 को माननीय, रामकलेश साकेत अजाक्स जिला अध्यक्ष सतना के द्वारा शौर्य दिवस एव नव वर्ष के उपलक्ष्य में डॉ.बी. आर,अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तथा साथ आदरणीय रामकलेश जी की उपस्थित में कोचिंग कैरियर के निम्नानुसार टीचर्स क्लास लिए-

आदरणींय, इंजी.सी पी दाहिया
आदरणींय, मिथिलेश चौधरी
आदरणींय,नागेंद्र अहिरवार
आदरणींय,राजकुमार अहिरवार
आदरणीय, देपेंद्र गुप्ता जी

सादर जय भीम।

अजाक्स जिला इकाई सतना की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद

न्यू ईयर सेलिब्रेशन होटल विलासा इंटरनेशनल में जलवा दिखाएंगी शीतल डीजे कुणाल एवं संगीत के लोकप्रिय बैंड लाइव म्यूजिक अमित राव 31 दिसंबर रात्रि 8:00 से न्यू ईयर का शानदार सेलिब्रेशन शुद्ध शाकाहारी भोजन के साथ आवास के प्रबंध.

गंगाधर चौधरी ❑ शहडोल।

शहडोल संभाग के हृदय स्तर बुढार होटल विलासा इंटरनेशनल मैं 31 दिसंबर को रात की 8ः00 न्यू ईयर सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया है द्य इस संबंध में होटल के डायरेक्टर राजेश चमडिया ने बताया कि होटल विलासा इंटरनेशनल में शुद्ध भोजन के बेहतर प्रबंध किए गए हैं भोजन की विभिन्न प्रकार की वैरायटी चाइनीज राजस्थानी पंजाबी इत्यादि के मशहूर पकवान के प्रबंध किए गए हैं साथ ही होटल विलासा इंटरनेशनल में भोजन से संबंधित सिर्फ लगे हुए हैं और बड़े दूर-दूर से इस होटल में सेमिनार एवं वृहद कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं संभाग में लोकप्रिय है बिलास होटल -शहडोल संभाग में होटल विलासा इंटरनेशनल लोकप्रिय है जो अपनी उत्तम फैसिलिटी के लिए जाना जाता है इस शानदार होटल की साफ-सफाई रोशन करने वाले लाइट्स ऐसी कई चीजें हैं जो गेस्ट को आकर्षित करती हैं ऐसा शानदार होटल आने वाले मेहमानों को एक नया अनुभव देने में कोई कमी नहीं छोड़ते अपनी खूबियों की वजह सह होटल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है द्य विलासा इंटरनेशनल होटल के डायरेक्टर राजेश कुमार चमडिया ने बताया कि हमारे होटल को आज शुरू हुए 3 वर्ष हो चुके हैं इस होटल में दूर-दूर से लोक ठहरने एवं क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों के लूट उठाने के लिए आते हैं और हमारे होटल में सभी आगंतुकों का बहुत-बहुत आभार है जो हमारे होटल को अपनी सेवा का मौका देते हैं जिनके लिए आलीशन कमरों के साथ सैकड़ों की संख्या में हमारे स्टाफ तैनात रहते हैं हमारे होटल में मेहमानों के लिए गाड़ी पार्किंग पार्क गार्डन साथ ही साथ शादी के पार्टी के आयोजन की भव्य प्रबंध किए जाते हैं अपनी खूबियों के कारण यह होटल शहडोल संभाग का एकलौता होटल के रूप में परिणित हो रहा है द्य नूतन वर्ष मनोरंजन कीर रहेगी धूम - होटल विलासा इंटरनेशनल में इस वर्ष नूतन वर्ष सेलिब्रेशन को लेकर भव्य तैयारियां चल रही है जहां होटल के डायरेक्टर समाजसेवी राजेश कुमार चमरिया ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी लूजर को सेलिब्रेट करने की युद्ध स्तर से तैयारी चल रही है नया वर्ष सेलिब्रेशन को करोना की वास्तविकता को गंभीर रुप से ध्यान रखते हुए कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा ह

दूर से आ रहे कलाकार होटल के डायरेक्टर राजेश चमडिया समाजसेवी एवं hotel ke sales come eat manager अवधेश कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम की विधिवत जानकारी देते हुए बताया न्यू ईयर सेलिब्रेशन में लाइट म्यूजिक डीजे लाइट कनोपी सेटअप बोनफायर सेपरेट सर्विसेस एवं अन्य सुविधाएं लोगों के लिए रहेगी इतना ही नहीं पूरे मौज मस्ती के साथ प्राइस डिस्ट्रीब्यूशन की पूरी व्यवस्था है वही कार्यक्रम 31 दिसंबर की रात्रि 8ः00 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें एंकर के रूप में प्रसिद्ध एंकर शीतल डीजे कुणाल एवं संगीत के प्रसिद्ध बैंड के रूप में लाइव म्यूजिक के साथ अमित राव के इवेंट्स का आनंद लोगों को मिलेगा इतना ही नहीं होटल विलासा के पास एस उपलब्ध हो चुके हैं जो सस्ते दामों में आपको गीत संगीत चमचमाती रोशनी एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की दुनिया में ले जाएगी द्य इंटरनेशनल होटल विलासा में खाने-पीने स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ होटल विलासा इंटरनेशनल लोगों की स्वागत के लिए तत्पर है।

इंटरनेशनल होटल विलासा के डायरेक्टर राजेश

भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी ने कलेक्टर एमसीबी के नाम सौंपा पत्र

मनेंद्रगढ़-कैलाश कुमार

हम आपको बता दें कि भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी मनेंद्रगढ़ श्री यीशै? दास के द्वारा आज दिनांक 2/1/2023 को कलेक्टर महोदय के नाम आवक जावक में एक पत्र प्रेषित किया गया है उक्त पत्र में उल्लेखित किया गया है कि जिला एमसीबी मनेंद्रगढ़ के विभिन्न जगहों पर छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा जनता को लाभ दिलाने हेतु आर ओ वाटर सेंटर का निर्माण कराया गया था लेकिन बेहद दुर्भाग्य की बात है कि उक्त ओर कोई उचित पहल नहीं किए जाने की वजह से आज आम जनता को उक्त योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार उक्त आर ओ वाटर सेंटर का टेंडर पूर्व दिन दिनांक को जारी किया गया था लेकिन देखभाल न किए जाने की वजह से आज छत्तीसगढ़ शासन की करोड़ों रुपए बर्बाद हो रही है साथ ही आम जनता को योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है साथ ही पत्र माध्यम से मांग की गई है कि

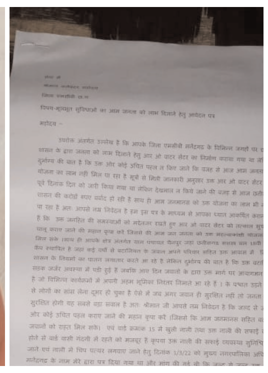

उक्त जनहित की समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए आर ओ वाटर सेंटर को तत्काल सुचारु रुप से चालू कराए जाने की कृपा करें ।जिससे आमजन को उक्त महत्वकांक्षी योजना का लाभ मिल सके। साथ ही? मनेंद्रगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चैनपुर जहां छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 18वीं बटालियन कैंप स्थापित है जहां कई वर्षों से बटालियन के जवान अपने परिवार सहित आवास में निवास कर शासन के नियमों का पालन लगातार करते आ रहे हैं ।लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उक्त बटालियन की जर्जर सड़क अब तक नहीं बन सकी है जबकि आए दिन जवानों द्वारा उक्त मार्ग पर आवागमन बना रहता है जो विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी अहम भूमिका निरंतर निभाते आ रहे हैं के पश्चात उड़ने वाले डस्ट से लोगों के सांस लेना भी दूभर हो चुका है ऐसे में जब जवान अगर सुरक्षित नहीं तो जनता कैसे सुरक्षित होगी यह सबसे बड़ा सवाल है। श्री दास के द्वारा निवेदन करते हुए जल्द से जल्द उक्त ओर उचित पहल कराए जाने की महान कृपा जिससे आम जनमानस सहित बटालियन के जवानों को राहत मिल सके एवं वार्ड क्रमांक 15 में खुली नाली तथा उक्त नाली के साफ-सफाई नहीं होने से वार्ड वासी गंदगी में रहने को मजबूर है कृपया उक्त नाली की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाए जाने एवं नाली में चिप पत्थर लगवाए जाने हेतु दिनांक 1/3/ 22 को मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनेंद्रगढ़ के नाम से मेरे द्वारा पत्र दिया गया था और मांग की गई थी कि जल्द से जल्द उक्त व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए जिससे वार्ड वासियों को आसानी से शुद्ध वातावरण मिल सके लेकिन इसे भी दुर्भाग्य ही कहा जाए कि अब तक इसका निराकरण नहीं हो सका है हम इस पत्र माध्यम से मांग करते हैं कि उक्त जनहित की समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देने की महान कृपा करें वहीं वार्ड क्रमांक 15 पंखा पारा बिजली ऑफिस के नीचे नाली है जिसमें चीप पत्थर कहीं लगा है तो कहीं नहीं लगा है जिस कारण से वार्ड मे? निवासरत वार्ड वासियों को अपने वाहन लाने ले जाने में काफी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है ।उक्त व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने की मांग भी श्री दास द्वारा किया गया है तथा आगे कहा कि वार्ड क्रमांक 15 पंखा पारा की व्यवस्था को लेकर मेरे द्वारा आवेदन दिनांक 26/ 9/ 22 को पत्र मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम दिया गया था जिसका आज दिनांक तक निराकरण नहीं हो सका है।

हरी झंडी दिखाकर कचरा गाडियों को किया गया रवाना

अनूपपुर - कैलाश कुमार

डूमरकछार/पौराधार। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाए रखने के लिए डूमरकछार नगर परिषद को 02 नयी कचरा गाडी (गार्बेज टीपर) की सौगात नगरी निकाय विभाग की ओर से परिषद को मिलने पर परिषद के द्वारा 2 गार्बेज टीपर क्रय किया गया है। नगर की साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू और विधिवत ढंग से हो सके साथ ही डोर टू डोर कचरा संग्रहण हो सके इस बाबत पैडल चलित 5 रिक्शे नगर की डोर टू डोर कलेक्शन में पहले से लगे हुए थे,अब और 2 गार्बेज टीपर मिलने से डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन की व्यवस्था और भी ज्यादा चुस्त-दुरुस्त हो जाएगी। गार्बेज टीपर को नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया,उपाध्यक्ष सुश्री कंचना मेहता, सीएमओ राकेश कुमार शुक्ला सहित उपस्थित सभापति एवं पार्षदों ने हरी झंडी दिखाकर गार्बेज टीपर को रवाना किया गया है। इस अवसर पर नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष ,नगर पालिका अधिकारी सहित सभापति रवि सिंह,जितेंद्र चौहान,रंजीत वर्मा पार्षद रीता योगेश पालीवाल, सरिता यादव,चंदा देवी महरा सहित परिषद के कर्मचारीगण एवं स्वच्छता विभाग की टीम उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर परिषद डूमरकछार जनता के सहयोग से दृढ़ संकल्पित है,इस बात को ध्यान में रखते हुए परिषद का सम्पूर्ण अमला,निर्वाचित जन प्रतिनिधि, नागरिकगण समय-समय पर सकारात्मक सोच के साथ काम करते रहते हैं और समर्पित भाव से नगर की साफ सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग भी करते रहते हैं।

रामरतन पटैल के नगर आगवन पर हुआ शानदार स्वागत-सत्कार

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

करेली। जिला नरसिंहपुर के प्रख्यात समाजसेवी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री रामरतन पटैल जी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग का संयुक्त समन्वयक एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी बनने पर उनके प्रथम नगर आगवन पर कांग्रेस जनों ने और ब्लाक करेली के कार्यकताओं द्वारा उनके स्वागत और सम्मान समारोह आयोजित किया। श्री पटैल जी की अखिल भारतीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के अनुमोदन पर आल इंडिया कांग्रेस कमेटी ओबीसी के राष्ट्रीय चेयरमैन माननीय केप्टन अजय सिंह यादव जी ने श्री पटैल जी को उनके राष्ट्रीय विभाग का संयुक्त समन्वयक एवं छत्तीसगढ़ प्रभार की नई जबावदारी प्रदान की है। जिनका भव्य स्वागत समारोह करेली में आयोजित हुआ। इस सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री ओंकार सोलंकी, श्री बलवान सिंह कुशवाहा जी प्रदेश अध्यक्ष सरपंच उपसरपंच पंच कल्याण समिति मध्यप्रदेश अतिथि के रूप में सम्मिलित हुये। नरसिंहपुर जिले के अनुसूचित जाति के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मूलचन्द मेधोनिया भी शामिल हुए। श्री पटैल ने नगर आगवन पर मंदिर में जाकर पूजन अर्चना की तत्पश्चात उनके वाहनों का काफिला नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए स्वागत समारोह स्थल पहुंचा। जहां पर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता में सर्वश्री लाखन सिंह पटैल, प्रदीप शर्मा, सत्यप्रकाश रघुवंशी, मनोहर ठाकुर, राजू खान, संतोष पटैल, बृजमोहन चौकसे, रामस्वरूप खेमरिया, बाबूलाल सोनी बाबला, संजय रघुवंशी, इन्द्रजीत परिहार, गोपाल प्रसाद,बृजेश परिहार, बबलू पटैल, अंकुर परिहार, नारायण सुदगैया, राजकुमार पटैल, संतोष सुदगैया, गुलाब सुदगैया, राकेश सुदगैया, ताराचंद नटेले, सत्येन्द्र पटैल, सचिन पटैल, रामराज परिहार, अनूप पटैल, गोविंद पन्डा, राजकुमार पन्डा, प्रमोद बडकुर, नरेंद्र, तिजन बैरवहा, पूरनलाल पटैल, जयराम पटैल, चेतराम पुजारी इत्यादि सैकड़ों कांग्रेस नेतागणों और कुर्मी समाज महासभा के पदाधिकारियों ने श्री रामरतन पटैल जी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय संयुक्त समन्वयक पिछड़ा वर्ग व छत्तीसगढ़ प्रभारी बनने पर

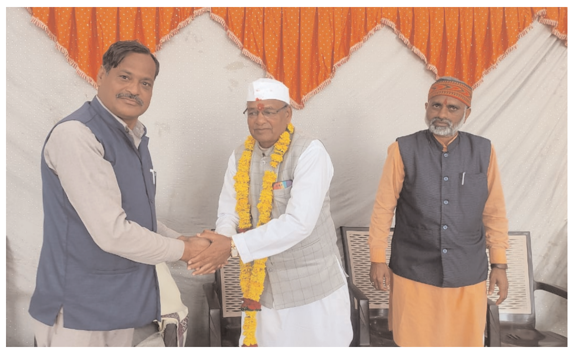

जोरदार स्वागत व सम्मान सत्कार किया। इस सम्मान समारोह पर श्री पटैल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी श्री बलवान सिंह कुशवाहा एवं श्री ओंकार सोलंकी जी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय खडगे जी, श्री केप्टन अजय सिंह यादव सहित मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी श्री जे पी अग्रवाल जी और सभी का आभार माना। उन्होंने अपने उद्बोदन में संकल्प लिया कि जो जिम्मेदारी मिली है उस पर खरे उतरेंगे तथा मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ में जाकर कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए काम करेंगे।

मध्य प्रदेश जनजाति कार्य विभाग ग्वालियर के प्रभारी सहायक आयुक्त एवं प्रभारी संभागीय उपायुक्त के विरुद्ध भारत सरकार के ट्राईबल अफेयर्स विजिलेंस डिपार्टमेंट ने मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव को जांच के आदेश दिए - इंजी. राहुल अहिरवार

ग्वालियर। अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय संघ मध्य प्रदेश के आईटी सेल ग्वालियर के संयोजक इंजी. राहुल अहिरवार ने ग्वालियर अनुसूचित जाति जनजाति विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त एस बी शर्मा एवं प्रभारी संभागीय उपायुक्त उषा पाठक के विरुद्ध कार्रवाई हेतु भारत सरकार के पीजी पोर्टल पर प्रशासनिक विभाग और लोक शिकायत विभाग को भेजी गई थी जिस पर से भारत सरकार के ट्राइबल अफेयर्स विजिलेंस विभाग मंत्रालय ने अपने पत्र क्रमांक फाइल नंबर ष्ट - 43021 / 15 / 2017 - 1द्वद्ब (श्च - 10291) दिनांक 4 जनवरी 2023 के द्वारा जनजाति कार्य विभाग ग्वालियर के प्रभारी सहायक आयुक्त एच बी शर्मा एवं प्रभारी संभागीय उपायुक्त उषा पाठक के विरुद्ध शिकायत की जांच करने के लिए मध्य प्रदेश शासन के जनजाति कार्य विभाग के प्रमुख सचिव को भेजी गई है अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ के इंजी.राहुल अहिरवार ने आज मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उक्त दोनों ही अधिकारियों द्वारा ग्वालियर में छात्रवृत्ति में करोड़ों रुपए का घोटाला किया गया है कुछ की एफ आई आर दर्ज भी है और श्रीमती ऊषा पाठक फर्जी छात्रवृत्ति घोटाले में आरोपी है तथा तत्कालीन कलेक्टर ने जांच में दोषी पाया गया जांच रिपोर्ट संभागी कमिश्नर को व्यक्ति का निलंबन की सिफारिश की गई और संपूर्ण विभाग की जांच जांच दल गठित करने की सिफारिश की गई थी लेकिन ऊषा पाठक ने अपने प्रभाव और पैसे की दम पर कार्रवाई को दबा दिया गया है आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है इसी प्रकार प्रभारी सहायक आयुक्त शर्मा द्वारा भी करोड़ रुपए की फर्जी छात्रवृत्ति घोटाले किए गए हैं लिपिक संवर्ग के कर्मचारी जेल चले गए एफ आई आर दर्ज है लेकिन छात्रवृत्ति तो अधिकारियों द्वारा भेजी जाती है तो फिर यह दोनों अधिकारी कैसे बच गए विभाग में नियमों के विरुद्ध कार्रवाई होती है अनुसूचित जाति जनजाति के अधिकारी कर्मचारियों को पीड़ित किया जाता है छात्रावासों आश्रमों में इनके द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है अधीक्षकों की पदस्थापना नियम विरुद्ध की जाती है पीएमएस कन्या छात्रावास थाटीपुर की छात्राओं ने दर्जनों शिकायतें शासन को और प्रशासन को की है पीएमएस आदिवासी बालक छात्रावास मुरार के छात्रों ने भी शासन प्रशासन को की है लेकिन आज तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई इतना ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश के सामाजिक संगठन अधिकारी कर्मचारी संगठनों द्वारा भी जिसमें अजाक्स भी शामिल है इन दोनों अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की गई लेकिन आज तक इनके विरुद्ध किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही मुख्यमंत्री महोदय को दर्जनों नहीं सैकड़ों शिकायतें भेजी गई है विभाग के प्रमुख सचिव और विभाग के जनजाति कार्य विभाग के आयुक्त को भी शिकायतें भेजी गई मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विभाग के प्रमुख सचिव को कई ईमेल फॉरवर्ड किए गए हैं लेकिन प्रमुख सचिव इन भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा यहां तक कि इन भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा विभाग द्वारा विधानसभा में माननीय विधायकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी गलत दिए जाते हैं जिसकी भी शिकायत की गई है अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के प्रसंग ने दोनों अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही निलंबित नहीं किए गए और ग्वालियर में स्थाई सहायक संभागीय उपायुक्त की पदस्थापना नहीं की गई तो मजबूरन न्यायालय की शरण लेना पड़ेगी और आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

इंजी. राहुल अहिरवार, संयोजक
अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ आईटी सेल ग्वालियर संभाग

कलेक्टर सिंह की पहल पर कलाबाई का अपने पक्के घर का सपना साकार होगा

❑सीहोर

नसरूल्लागंज के ग्राम अमीरगंज में आयोजित चौपाल में आई श्रीमती कलाबाई उस वक्त भावविभोर हो गई जब कलेक्टर प्रवीण सिंह ने उन्हें पेंशन स्वीकृत कराने और मकान के लिए स्वयं एक लाख रूपए की सहयोग राशि एकत्रित कर देने की बात की। कलाबाई विधवा महिला है और उनके लिए अपना गुजर-बसर करना भी मुश्किल होता है। उन्होंने चौपाल में पहुंचकर कलेक्टर सिंह को अपनी समस्या बताई। इसपर कलेक्टर सिंह ने कलाबाई की पेंशन शीघ्र स्वीकृत करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। चौपाल के पश्चात कलाबाई की जमीन पर कलेक्टर प्रवीण सिंह, आदिवासी वित्त विकास निगम अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला तथा भाजपा जिला अध्यक्ष ने उनके मकान का भूमिपूजन भी किया गया। कलाबाई का घर बनाने के लिए चौपाल में ही जिला पंचायत सीईओ हर्ष सिंह, एसडीएम दिनेश तोमर, जनपद सीईओ प्रबल अजारिया सहित अनेक अधिकारियों ने भी राशि एकत्रित करने में सहयोग करने के लिए कहा। सभी अधिकारियों द्वारा घर बनवाने में सहयोगी बनने की बात सुनने पर कलाबाई के चेहरे की खुशी देखने ही बनती थी। कलाबाई ने बताया कि मेरे लिए घर बनाना एक सपने जैसा था।

प्रदेश में सहकारिता से हो रहा उन्नति का पथ प्रशस्त

सीहोर। सहकारिता से उन्नति का पथ प्रशस्त हो रहा है। सहकारी संस्थाओं द्वारा किसानों को खरीफ और रबी फसल के लिये शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने, उन्नत बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूँ, धान आदि फसलों का उपार्जन किया जा रहा है। सहकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में रजिस्टर्ड समितियाँ स्थानीय स्तर पर नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ विकास में योगदान दे रही हैं। राज्य सरकार ने किसानों के हित में शुरू की गई अनेक योजना में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने की योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना से किसानों को सूदखोरों और ब्याज के कुचक्र से मुक्ति मिल रही है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने में साल दर साल बढ़ोत्तरी हो रही है। किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने में सहकारी समितियों का उल्लेखनीय योगदान है। सहकारी संस्थाओं से प्रदेश में फसलों का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है। सहकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पैक्स को सशक्त करने के लिये आई.टी. से जोड़ा जा रहा है।

संपादकीय

नेपाल में नई सरकार का गठनः भारत के साथ संबंधों पर कैसा होगा असर?

नेपाल में नई सरकार का गठन हो चुका है। 20 नवंबर को हुए संसदीय चुनाव के करीब 35 दिन बाद नई सरकार गठन के साथ पूर्वानुमानों पर अब विराम लग चुका है। एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में तय समय सीमा समाप्ती के अंतिम घंटे में पूर्व माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इन्हें अन्य पांच दलों को मिलाकर कुल 165 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। नेपाल के 275 सदस्यीय सदन में इस चुनाव के दौरान किसी भी राजनैतिक दल को बहुमत नहीं मिला है। वहीं चुनाव पूर्व के गठबंधन भी इन आंकड़ों से दूर थे। ऐसे में चुनाव बाद सरकार गठन को लेकर शतरंजी बिसातें बिछनी तय थीं। जिसमें बाजी महज 32 सीटों को जीतकर आने वाले प्रचंड ने मारी है। चुनाव पूर्व नेपाली कांग्रेस गठबंधन का हिस्सा रहे प्रचंड अब पुनः एमाले के साथ हैं। इस नए गठबंधन में सरकार का नेतृत्व ढाई साल के लिए प्रचंड तो अगले ढाई वर्ष ओली के पास रहेगा। वामपंथी धड़े की पिछली सरकार में एमाले मुखिया ओली द्वारा समझौते के अनुसार प्रधानमंत्री पद नहीं छोड़ने के नाते प्रचंड अलग हुए थे। फिलहाल इस शह-मात के असली विजेता केपी ओली हैं। दरअसल इस बहाने उन्होंने न केवल सबसे बड़े संसदीय दल नेपाली कांग्रेस के सरकार बनाने की पहल को रोक दिया. बल्कि इस बहाने पुनः एक बार वामपंथी धरों को भी एकजुट किया है। वहीं इस सरकार की असली शक्ति इन्हीं के हाथ में रहनी है, क्योंकि इस सरकार गठन के साथ ही राष्ट्रपति और स्पीकर का अहम पद ओली की पार्टी के पास रहना है। पिछली सरकार में इन पदों पर बैठे अपने प्रतिनिधियों द्वारा इन्होंने अपने मन की भरपूर चलाई थी। वैसे इस सरकार के ओर से नियुक्त होने वाले राजदूतों में भी ओली के पसंद की चर्चा है। ऐसे में कुल मिलाकर नई सरकार के देश से विदेश नीति तक ओली प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता है। दरसल इसका एक और कारण है। नेपाल के संसदीय चुनावों संग प्रांतीय सदन के चुनाव भी हुए हैं। यहां के सात प्रदेशों का दृश्य बिल्कुल केंद्रीय सदन सा है। कहीं किसी दल को बहुमत नही हैं। एमाले तीन प्रदेशों मे आगें तो एक में कांग्रेस से महज एक सीट कम है। ऐसे में नेपाल के गैर कांग्रेस दलों द्वारा प्रदेशों में सत्ता सुख के एकमात्र पूर्तिकर्ता ओली ही हैं। जहां तक प्रधानमंत्री के तौर पर माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड की सोचें तो यह उनकी तीसरी ताजपोशी है। इससे पूर्व 2008 से 2009 और फिर 2016 से 2017 तक वो इस पद पर सत्तासीन रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी हिमालई राज्य में राजशाही के पतन और नवीन शासन व्यवस्था का कारण इनका माओवादी आंदोलन माना जाता है।

ओबीसी आरक्षणः आखिर सबक क्यों नहीं लेती सरकारें?

मुद्दा यह है कि आखिर सरकारें ऐसा क्यों करती हैं? क्या वे न्यायपालिका को अनदेखा करना चाहती हैं या फिर अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए अपनी मर्जी के उसूल पर चलना चाहती हैं? यूपी के 762 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जिस जल्दबाजी में ओबीसी आरक्षण देते हुए चुनावी अधिसूचना जारी की गई, उसी से साफ है कि सरकार इस संदर्भ में कानूनी हवालों को भी नजरअंदाज कर यह दिखाना चाहती थी कि वह राज्य में पिछड़े वर्ग की कितनी हितैषी है। यूपी में जिन 762 नगरीय निकायों में चुनाव होने हैं, ये वो निकाय हैं,जिनका कार्यकाल 12 दिसंबर 2022 से लेकर 19 जनवरी 2023 के बीच समाप्त हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में नगरीय चुनावों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण के मुद्दे पर योगी सरकार की किरकिरी और इस बारे में सरकारों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले की बार-बार अनदेखी से यह सवाल उठ रहा है कि ओबीसी आरक्षण देने के पीछे असल मकसद क्या है? चुनावी टोटकेबाजी या फिर सचमुच पिछड़े वर्ग को उनका राजनीतिक हक देना है। यूपी के पहले ऐसे ही मामले महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड और बिहार में हुए। वहां भी राज्य सरकारों को अंततः सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुपालन में ट्रिपल टेस्ट फार्मूला अपनाकर ही आरक्षण देना पड़ा या चुनाव टालने पड़े। यह बात योगी सरकार भी जानती थी, फिर भी उसने वही दुस्साहस किया।

मुद्दा यह है कि आखिर सरकारें ऐसा क्यों करती हैं? क्या वे न्यायपालिका को अनदेखा करना चाहती हैं या फिर अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए अपनी मर्जी के उसूल पर चलना चाहती हैं? यूपी के 762 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जिस जल्दबाजी में ओबीसी आरक्षण देते हुए चुनावी अधिसूचना जारी की गई, उसी से साफ है कि सरकार इस संदर्भ में कानूनी हवालों को भी नजरअंदाज कर यह दिखाना चाहती थी कि वह राज्य में पिछड़े वर्ग की कितनी हितैषी है। यूपी में जिन 762 नगरीय निकायों में चुनाव होने हैं, ये वो निकाय हैं,जिनका कार्यकाल 12 दिसंबर 2022 से लेकर 19 जनवरी 2023 के बीच समाप्त हो रहा है। सरकार ने 5 दिसंबर को अधिसूचना जारी कर नगरीय निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू कर दिया। इसके मुताबिक 4 नगर निगम, 54 नगर पालिकाएं तथा 147 नगर पंचायतों में ओबीसी आरक्षण लागू हुआ। इस आरक्षण का सरकार के पास कोई ठोस आधार नहीं था। इस अधिसूचना के खिलाफ कोर्ट में 93 याचिकाएं दायर हुईं और इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सरकार की इस अधिसूचना को रद्द करते हुए बिना ओबीसी आरक्षण के ही नगरीय निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि राज्य में बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव नहीं होंगे। जबकि विपक्षी दलों ने योगी सरकार को पिछड़ा वर्ग विरोधी बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

अब अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक ट्रिपल टेस्ट फार्मूला लागू करती है तो उस पर अमल में काफी वक्त लगेगा। ट्रिपल टेस्ट के मानी तीन सूत्री फार्मूला है, जिसका मकसद ओबीसी के लिए राजनीतिक आरक्षण के प्रावधान के पहले उनकी जनसंख्या का सत्यापन है। इसके तहत हर राज्य में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन, हर नगरीय निकाय ओबीसी आबादी का आकलन और इस आकलित जनसंख्या का राज्य सरकार द्वारा सत्यापन। वैसे यूपी में पिछड़ा वर्ग आयोग 1993 से है, लेकिन इस आयोग का काम मूलतः ओबीसी जातियों में शैक्षणिक पिछड़ेपन का आकलन करना है न कि राजनीतिक आरक्षण देना। दरअसल यूपी में इस कानूनी झटके से बचा जा सकता था। ऐसा झटका जो कानूनी से ज्यादा राजनीतिक है और योगी सरकार के ओबीसी के प्रति सियासी धारणा का संदेश देने वाला है। योगी सरकार के सामने महाराष्ट्र, मप्र, बिहार और झारखंड राज्यों के उदाहरण सामने थे।

इन राज्यों में भी ओबीसी आरक्षण को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। जब वहां सरकारों ने ट्रिपल टेस्ट फार्मूला लागू किया या फिर वैसा ही कोई तरीका खोजा, उसके बाद अदालत ने नगरीय निकायो में ओबीसी आरक्षण को मंजूरी मिली। मसलन महाराष्ट्र में भी हाईकोर्ट के निर्णय के बाद तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार ने राज्य में पूर्व मुख्य सचिव जयंत कुमार बांठिया की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया। आयोग ने राज्य की मतदाता सूची को आधार बनाते हुए प्रयोग सिद्ध डाटा तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत किया, जिसको मान्य करते हुए प्रदेश में नगरीय निकायों में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मंजूर किया गया। मप्र में शिवराज सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से ऐसी रिपोर्ट तैयार करवाई और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण को स्वीकृति दी। बिहार में अति पिछड़ा वर्ग आयोग के जरिए ऐसी रिपोर्ट तैयार करवाई गई और झारखंड सरकार ने कहा है कि वो ट्रिपल टेस्ट फार्मूला लागू होने के बाद ही नगरीय निकायों के चुनाव करवाएगी। सवाल यह भी है कि आखिर योगी सरकार ओबीसी आरक्षण को लेकर इतनी जल्दबाजी में क्यों है? इसका कारण असल में 2024 के लोकसभा चुनाव हैं। दिल्ली के तख्त पर तीसरी बार काबिज होने के लिए भाजपा इस राज्य से अधिकाधिक सीटें जीतना चाहती है, जो पिछड़ा वर्ग के भरपूर समर्थन के बगैर संभव नहीं है। राज्य में यूपी सामाजिक न्याय रिपोर्ट 2001 के मुताबिक ओबीसी आबादी कुल का लगभग 54 फीसदी यानी आधे से ज्यादा है, जबकि यूपी पिछड़ा वर्ग आयोग ने 79 जातियों को ओबीसी में शामिल किया है। सीएसडीएस सर्वे के मुताबिक ओबीसी में भी सर्वाधिक 19.4 फीसदी जनसंख्या यादवों की है। दूसरे नंबर पर कुर्मी हैं। 2014 के बाद से बीजेपी ने ओबीसी में यादव बनाम गैर यादव दांव सफलता से चला है। हालांकि भाजपा और सपा दोनों ही अति पिछड़ी जातियों को जोड़ने में लगे हैं। लेकिन हाईकोर्ट ने फैसले ने इस प्रक्रिया को भी झटका दे दिया है। योगी सरकार इस मामले में दो पाटों में फंसी है। अगर वह ट्रिपल फार्मूले को लागू कर चुनाव कराती है तो उस पर चुनाव टालने का आरोप लगेगा। अगर वह बिना ओबीसी आरक्षण चुनाव कराती है तो पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का आरोप तो लगने ही लगा है।

वैसे भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अगड़ी जाति से आते हैं। हालांकि भाजपा अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही लड़ेगी, जो खुद ओबीसी से आते हैं, लेकिन यूपी में अगर ओबीसी जातियां भाजपा से खफा हुईं तो चुनाव नतीजों पर असर पड़े बिना नहीं रहेगा, भाजपा की सबसे बड़ी परेशानी भी यही है।

2023 में पूरी दुनिया में बजेगा भारत के मोटे अनाज का डंका

एक जनवरी 2023 से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष आरम्भ हो गया है इसके फलस्वरूप सभी घरों की थालियों से गायब हो चुके मोटे अनाज के दिन फिर से बहुरने वाले हैं। मोटा अनाज और उनकी कृषि को प्रोत्साहन देने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने कमर कस ली है। भारत इस वर्ष शंघाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (एससीओ) तथा जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय समूहों की अध्यक्षता कर रहा है। देश के 55 शहरों में जी-20 सम्मेलन होने जा रहे हैं इसके अतिरिक्त भी इस वर्ष कई मेगा इवेंट देश में होने जा रहे हैं।

मोटे अनाज को प्रोत्साहन देने के लिए इन अवसरों का भरपूर लाभ लिया जायेगा। सभी सम्मेलनों में कृषि मंत्रालय व खाद्य मंत्रालय तथा राज्य सरकारों के सहयोग से मोटे अनाजों से बने उत्पादों का ही प्रदर्शन किया जायेगा व देश विदेश से आ रहे सभी अतिथियों को मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसे जाएंगे जिससे उनका डंका विश्व भर में बजना तय हो गया है। मोटे अनाज का प्रचलन बढ़ने से जनसामान्य सहित किसानों को लाभ मिलने की बड़ी सम्भावना है। एक ओर इससे कुपोषण की समस्या से निपटने का नया और सरल मार्ग मिलेगा वहीं दूसरी ओर इससे किसानों की आय दोगुनी होने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। यही कारण है कि मोटा अनाज वर्ष में एक ओर किसानों को इन अनाजों की खेती करने के लिए जागरूक किया जाएगा और दूसरी ओर लोगों को मोटे अनाज के महत्व से अवगत कराया जाएगा जिससे इनकी खपत बढ़े और किसान इनकी खेती में रूचि दिखाएं। इसके अतिरिक्त मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इस वर्ष मोटे अनाज के समर्थन मूल्यों में भी वृद्धि कर दी है। एक समय था जब भारत की हर थाली में केवल ज्वार, बाजरा, रागी, चीना, कोदो, सांवा, कुटकी, कुटटू और चौलाई से बने हुए व्यंजन ही हुआ करते थे लेकिन फिर समय बदलता गया और आज स्थिति यह हो गयी है कि लोग इन अनाजों का महत्व तो दूर नाम भी भूल गए हैं। आज के वातावरण में जब घरों में बड़े बुजुर्ग इन अनाजों का नाम लेते हैं या नई पीढ़ी को इनका महत्व बताते हैं तो या तो वो अचरज से सुनती है या नाम सुनते ही मुंह बनाने लगती है। मोटा अनाज वर्ष के माध्यम से नई पीढ़ी के लोग भी इन अनाजों का वैज्ञानिक आधार पर महत्व समझेंगे और स्वीकार करेंगे और जब स्वीकार करेंगे तब वह भी इनकी खेती और इनसे बने नये व्यंजनों को बनाकर स्टार्टअप्स व नवाचार भी कर सकेंगे। पिछले कुछ दिनों की चर्चा से ही देश के कई युवा उद्यमियों ने ज्वार, बाजरा सहित अन्य मोटे अनाज से बनने वाले कई तरह के व्यंजनों पर नवाचार आरम्भ भी कर दिया है। ज्वार, बाजरा के आटे से दोसा बन रहा है, लड्डू बन रहा है और पापड़ भी बन रहे हैं। दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनियाभर के राजदूतों को मोटे अनाज से बने व्यंजनों की दावत दी।

लगता है भारतीय दवा कारोबार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के लिए कोई विदेशी षड्यंत्र चल रहा है

गांबिया और उज़्बेकिस्तान में भारत में बने कफ़ सिरप को लेकर सवाल खड़े होने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को कफ़ सिरप पर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। किंतु गांबिया और उज़्बेकिस्तान में कफ सिरप से मौत की खबरों से भारत के दवाई बाजार और उसकी प्रतिष्ठा को बड़ा धक्का लगा है। भारतीय कफ सिरप से मौत की सूचनाएं आने के बाद भारत ने अपने स्तर से जांच शुरू करा दी। किंतु यह भी जांच का विषय है कि कहीं यह विदेशी बाजार में भारतीय दवाइयों की बढ़ती साख और प्रतिष्ठा को खत्म करने का कोई अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र तो नहीं है। उज्बेकिस्तान सरकार ने आरोप लगाया है कि भारत में बना कफ सिरप देने की वजह से उनके देश में 18 बच्चों की मौत हुई। उज्बेक हेल्थ मिनिस्ट्री ने हाल में कहा कि नोएडा के मेरियन बायोटेक में बना कफ सिरप डोक-1 मैक्स (छ्हृय-1 रूङ्क) पीने से बच्चों की जान गई। उधर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (ङ्ख।ह्र) जांच में उज्बेकिस्तान सरकार का सहयोग करेगा। भारत ने भी उज्बेक सरकार के आरोपों की अपने स्तर से जांच का फैसला किया है।

फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी ज़िलों में थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के यहां से नियमानुसार कफ़ सिरप के सैंपल लेने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी कंपनी के कफ़ सिरप मानक के अनुसार न हों तो सुधार करवाया जा सके। सबसे पहल गांबिया ने भारत के बने कफ सिरप को लेकर आरोप लगाया था कि उसके पीने से उसके देश में 70 बच्चों की मौत हो गई। गांबिया के बाद उज्बेकिस्तान ने भारत निर्मित कफ़ सिरप पर संदेह जताया है। यह सिरप नोएडा में बना था। ऐसे में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट हो गया है क्योंकि सर्दी के मौसम में अलग-अलग कंपनियों के कफ़ सिरप की खपत बढ़ गई है।

शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में प्रदेश, उज्जैन, छतरपुर समेत कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी

❑ भोपाल

मध्यप्रदेश में इन दिनों लोग कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का सामना कर रहे हैं। बीते पांच दिनों से प्रदेश के कई जिलों में हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। बुधवार को भी शीतलहर और घने कोहरे के चलते प्रदेशभर में जन जीवन प्रभावित रहा। प्रदेश में ठंड की स्थिति को देखते हुए जबलपुर, छतरपुर, शहडोल, उज्जैन और छिंदवाड़ा जिलों में नर्सरी से पांचवी तक के बच्चों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद कर दिया गया है। गुरुवार सुबह भी प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है। कई जिलों में बीते पांच दिनों से सूर्य नहीं निकला। लोग अलाव के सहारे दिन काट रहे हैं।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा दर्ज की गई एवं शेष संभागों के जिलों में मौसम शुष्क रहा। भोपाल में मध्यम से घना कोहरा रहा एवं गुना, ग्वालियर, जबलपुर, छतरपुर, सागर और बालाघाट जिलों में हल्के से मध्यम कोहरा रहा। दतिया और छतरपुर जिलों में शीतलहर का प्रभाव रहा। धार, खण्डवा, छिंदवाड़ा और दतिया जिलों में तीव्र शीतल दिन (सीवियर कोल्ड डे) जबकि गुना, ग्वालियर, सागर, छतरपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, उमरिया, रीवा, उज्जैन, रतलाम, इंदौर और

भोपाल जिलों में शीतल दिन (कोल्ड डे) रहा।

न्यूनतम तापमान रीवा और सागर संभागों के जिलों में काफी गिरे, जबकि अन्य शेष संभागों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। सागर संभाग में सामान्य से काफी कम, ग्वालियर, भोपाल और उज्जैन संभागों में सामान्य से कम एवं शेष संभागों में तापमान सामान्य रहा। प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 03 एष्ट दतिया और नौगाँव 2.8एष्ट दर्ज किया गया। बुधवार को पूर्वी मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी मध्यप्रदेश शुष्क रहा। मौसम विभाग ने रीवा, सागर, भोपाल, ग्वालियर चम्बल एवं नर्मदापुरम संभागों अनूपपुर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, नीमच, खण्डवा, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम और बुरहानपुर जिलों में मध्यम से घना कोहरा छाए रहने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। छतरपुर, ग्वालियर और दतिया जिलों में कहीं-कहीं शीतलहर चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, ग्वालियर और चम्बल संभागों, रीवा, उमरिया, जबलपुर, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, नीमच, मंदसौर, रायसेन, भोपाल, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन और देवास जिलों में कुछ स्थानों पर शीतल दिन होने का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही अगले 24 घंटों में दतिया और छतरपुर जिलों में कहीं-कहीं पाला गिरने की आशंका व्यक्त की है।

छतरपुर कलेक्टर संदीप जी.आर. ने जिले के तापमान में गिरावट दर्ज होने और शीत लहर चलने तथा कोहरे की स्थिति निर्मित होने से छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पूर्व प्राथमिक (नर्सरी व आंगनवाड़ी) तथा प्राथमिक कक्षा एक से पांच तक की कक्षाओं के लिए पांच जनवरी से सात जनवरी 2023 तक अवकाश घोषित किया है। शाला के स्टॉफ विद्यालय में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तो राज्य स्तर से निर्धारित विभिन्न परीक्षाएं तय कार्यक्रम के अनुसार ही निर्धारित समय पर ही आयोजित होंगी। यह आदेश जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई और आईसीएसई से संबंद्ध शालाओं पर तत्काल प्रभावशील होगा। बता दें, छतरपुर कलेक्टर ने शीत लहर एवं कोहरे के चलते शालाओं के समय में परिवर्तन किया था। सुबह सात बजे से लगने वाले स्कूलों को 9ः30 से किया गया था।

सड़क पर पुलिसकर्मी करेंगे कैमरा पहनकर ड्यूटी, हर घटना होगी रिकॉर्ड

❑ ग्वालियर

ग्वालियर में अब गुरुवार से यातायात पुलिस पुलिसकर्मी बॉडी वार्न कैमरे से लैश होकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी करेंगे। मुख्यालय भोपाल से प्रदाय किये गये यह बॉडी वार्न कैमरे यातायात पुलिस के 35 पुलिस अधिकारियों को प्रदान किये गये। इन बॉडी वार्न कैमरों के जरिए शहर में रॉन्ग साइड, बिना हेलमेट और तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ यातायात पुलिसकर्मी निष्पक्ष चालानी कार्रवाई कर सकें। पुलिस कर्मियों को कैमरा उपयोग करने के दौरान यातायात पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहे। यातायात पुलिस के अधिकारियों को बुधवार को प्रदान किये गये इस बॉडी वार्न कैमरों का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिये की जाने वाली चालान की कार्रवाई में पारदर्शिता लाना एवं वाहन चैकिंग के दौरान आमजन से होने वाले विवादों से बचाव करना है। लगातार देखने में आता है कि यातायात के सुचारू संचालन एवं वाहन चैकिंग के दौरान अक्सर यातायात व्यवस्था बना रहे यातायात पुलिस के अधिकारी के साथ आमजन का विवाद हो जाता है। जिससे विभाग की छवि कही ना कही धूमिल होती है। इन घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ही यातायात पुलिस के अधिकारियों को चैकिंग के दौरान बॉडी वार्न कैमरे पहनकर ही ड्यिूटी करने के लिए आला अधिकारियों ने यातायात पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका से इसी महीने आएंगे 12 चीते, कूनो अभयारण्य में बढ़ेगा कुनबा

❑ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से आठ चीते आने के बाद अब दक्षिण अफ्रीका से भी 12 चीते लाने की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है। दक्षिण अफ्रीका में साढ़े तीन महीने से 12 चीते क्वॉरेंटाइन हैं, जिन्हें जल्द ही भारत लाया जाना है। वहीं, कूनो नेशनल पार्क इसी महीने दक्षिण अफ्रीका से आने वाले 12 चीतों के लिए क्वॉरेंटाइन बाड़े तैयार कर रहा है। अब तक आठ क्वॉरेंटाइन एनक्लोजर तैयार किए जा चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक, 12 चीतों के आगमन के लिए आठ संगरोध बाड़े तैयार कर लिए गए हैं, जबकि दो और तैयार करने को कहा गया है। इसलिए पहले से मौजूद दो क्वॉरेंटाइन बाड़े को संशोधित करने जा रहे हैं, जो पहले आने वाले आठ चीतों के लिए तैयार किए गए थे। कूनो नेशनल पार्क के एक अधिकारी ने बताया, हर संगरोध बाड़े की माप 22ड्ड50 मीटर होगी। 12 चीतों के लिए तैयारी की गई थी, हालांकि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के अभाव में मामला विलंबित हो गया। वहीं, पिछले दिनों केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र सिंह भी श्योपुर पहुंचे थे। जहां उन्होंने कूनो अभ्यारण पहुंचकर चीतों के बाड़े का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चीतों से जुड़ी हर गतिविधि के बारे में कूनो के अधिकारियों से जानकारी ली थी। अफ्रीका से आने वाले 12 चीतों के लिए किए गए इंतजामों को भी बारीकी से देखा था। वहीं, राष्ट्रीय कूनो

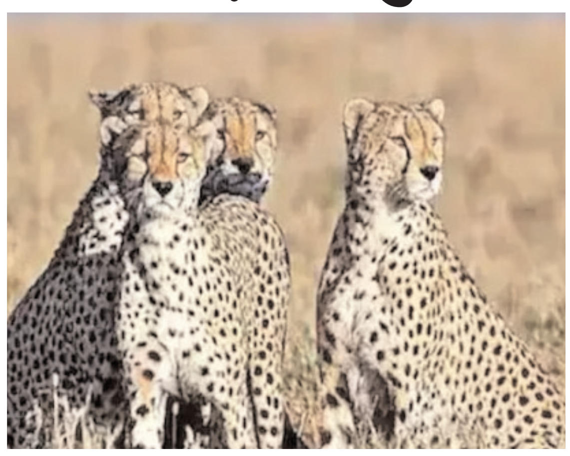

अभ्यारण्य के डीएफओ प्रकाश शर्मा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को लाने की तैयारियां उच्च लेवल पर चल रही है।

बता दें कि कूनो में आठ नए बाड़े बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह से नए चीतों के स्वागत के लिए तैयार हैं। नीमिबिया से आठ चीते भारत आए थे, जिन्हें 17 सितंबर को पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन के दिन कूनो में बाड़े में छोड़ा था। इसमें पांच मादा चीता थे। वहीं अब इन चीतों का कुनबा बढ़ने वाला है। जल्द ही 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों को लाया जाएगा। इसके बाद कूनो पार्क में चीतों की संख्या 20 हो जाएगी।

शराबबंदी करने वाला मप्र का पहला गांव बना जल्दा मुड़िया

❑ डिंडौरी

पेसा एक्ट के तहत शराबबंदी करने वाला जल्दा मुड़िया डिंडौरी जिले का पहला गांव है। यहां पहली बार एक जनवरी को तेरहवीं का कार्यक्रम बिना नशे के हुआ है। जल्दा मुड़िया गांव के ग्राम सभा अध्यक्ष राजकुमार ने बताया, 30 दिसंबर को पेसा एक्ट के तहत ग्राम सभा का आयोजन हुआ था। गांव की महिलाओं और पुरुषों ने एक मत होकर गांव में शराबबंदी करने की आवाज उठाई। इसके बाद ग्राम सभा में यह तय हुआ कि गांव में शराब बनाते या बेचते पाया जाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

गांव की सरपंच सुनीता वनवासी ने बताया, गांव के जिस घर में शादी, विवाह, जन्मोत्सव या पूजा होगी। उस घर के लोगों को ग्राम सभा में आकर जानकारी देनी होगी। इसके बाद उन्हें चार लीटर शराब तक के उपयोग की छूट मिल सकेगी। ग्राम सभा अध्यक्ष राजकुमार ने बताया, जल्दा मुड़िया गांव में तीन सौ परिवार रहते हैं। यह तीन सौ परिवार सात टोला में रहते हैं। इन सातों टाला की जिम्मेदारी ग्राम सभा सदस्यों को दी है। यह अपने-अपने टोला की निगरानी रखकर शराबबंदी को लागू करेंगे। अजय सिंह को इमली टोला, प्रीतम सिंह को केकर टोला, टंकेश्वरी सिंह को खेरो टोला, सिया बाई को कोटवार टोला, पंचम सिंह को डकी टोला, ज्योति बाई को स्कूल टोला, सुरेश को उमरहा टोला की जिम्मेदारी दी है। राजकुमार ने बताया, जल्दा मुड़िया गांव में तीन महुआ की दुकानें हैं। इस गांव में 15 परिवार महुआ से शराब बनाने के कारोबार से जुड़े हैं। इन सभी परिवारों को ग्राम सभा की बैठक में बुलाकर सख्त हिदायत दी गई है। उनसे कहा कि दुकान का महुआ खत्म हो जाने के बाद अब दोबारा महुआ नहीं मगाएंगे। राजकुमार ने बताया कि एक जनवरी को गांव में मृतक दशरथ पिता फागू (55) दाशगात्र (तेरहवीं) कार्यक्रम हुआ। यह जल्दी मुड़िया गांव के कार्यक्रमों के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी ने भी शराब का सेवन नहीं किया हो। 30 दिसंबर जब से ग्राम सभा में शराबबंदी हुई है, तब से शराब किसी ने भी न शराब बेची है और न ही किसी ने पी है। जल्दा मुड़िया गांव में ग्राम सभा ने शराबबंदी का प्रस्ताव पारित किया, उसके बाद महिलाएं बहुत खुश हैं। शशि कला मरकाम ने कहा, शराब के कारण गांव में आए दिन विवाद होते थे। शराब लोगों की असमय मृत्यु का कारण बनती थी। शराब के नशे में मर्द महिलाओं को पीटा करते थे। अब प्रस्ताव पारित हो जाने से गांव में सुख शांति का वातावरण बनेगा। 15 नवंबर को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने पेसा एक्ट लागू होने की घोषणा की थी।

सितंबर में होगा भारत-पाक का महामुकाबला प्रीमियर कप में 10 टीमें खेलेंगी, 20 मैच होंगे

एजेंसी ❑नई दिल्ली

एशिया कप के लिए ग्रुप स्टेज की लिस्ट जारी कर दी गई है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में सितंबर में दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी। पिछली बार दोनों का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टी20 विश्व कप में हुआ था। तब टीम इंडिया ने आखिरी गेंद तक पहुंचे मैच में जीत हासिल की थी। एशिया कप की बात करें तो पिछले साल दोनों टीमों के बीच दो मुकाबले खेले गए थे। पहले मैच में भारत और दूसरे मैच में पाकिस्तान को जीत मिली थी। टीम इंडिया सुपर-4 राउंड में बाहर हो गई थी। वहीं, श्रीलंका ने पाकिस्तान को फाइनल में हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया था। एशिया कप का आयोजन इस बार पाकिस्तान में होना है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पिछले साल कहा था कि यह टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। टीम इंडिया पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। उनके बयान का पाकिस्तान ने विरोध किया था। उसके बाद से अब तक यह फैसला नहीं हो पाया है कि टूर्नामेंट कहां खेला जाएगा। अभी तक आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान ही मेजबान है। एशिया कप पिछली बार टी20 फॉर्मेट में हुआ था। 2016 में भी ऐसा ही हुआ था। दोनों साल टी20 विश्व कप के कारण ऐसा हुआ था। इस बार अक्तूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए फॉर्मेट में बदलाव किया गया है। अब यह अपने मूल फॉर्मेट (वनडे) में ही खेला जाएगा। प्रतियोगिता के 16वें संस्करण में कुल 13 मैच होंगे, जिसमें सुपर 4 चरण और फाइनल शामिल हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद् (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने 2023-24 के लिए क्रिकेट कैलेंडर जारी किया। इसमें सहयोगी देशों के लिए प्रतियोगिता में जगह बनाने का रास्ता भी बताया गया है।

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका ने पहले ही अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। पुरुषों के प्रीमियर कप के विजेता को टूर्नामेंट में जगह मिलेगी।प्रीमियर कप में 10 टीमें खेलेंगी। उन्हें दो ग्रुपों में बांटा गया है। इस दौरान कुल 20 मैच होंगे। 2022 में हॉन्गकॉन्ग ने एशिया कप में जगह बनाई थी। उसे भारत और पाकिस्तान के साथ ग्रुप में रखा गया था। इस बार प्रीमियर कप के ग्रुप-ए में यूएई, नेपाल, कुवैत, कतर और क्लीफायर-1 की टीमें होंगी। वहीं, ग्रुप-बी में ओमान, हॉन्गकॉन्ग, सिंगापुर, मलयेशिया और क्लीफायर-2 होंगी। प्रीमियर कप के क्वालीफायर-1 और क्वालीफायर-2 का फैसला चैलेंजर कप से होगा।

ऑस्ट्रेलिया की पूर्व क्रिकेटर बेलिंडा की एससीजी ने प्रतिमा बनवा कर किया सम्मानित

एजेंसी ❑सिडनी

महान ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेलिंडा क्लार्क को प्रतिष्ठित सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (स्ष्टत्र) में अमर कर दिया गया है। स्टेडियम के वॉक ऑफ ऑनर में उनकी एक कांस्य की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसके साथ बेलिंडा पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिनकी प्रतिमा है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार को तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन से पहले इस प्रतिमा का अनावरण किया गया। 2021 की शुरुआत में क्लार्क की एक प्रतिमा बनाने की घोषणा की गई थी। उस समय देश में पुरुष क्रिकेटरों की 73 मूर्तियों के साथ एक स्वागत योग्य कदम के रूप में इसे सराहा गया था। बेलिंडा एक विश्व कप विजेता कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 1997 और 2005 में खिताब जीता था। इसके अलावा वह एक शानदार बल्लेबाज रही हैं। देश में क्रिकेट को बढ़ावा देने में बेलिंडा ने अहम किरदार भी निभाया है। बेलिंडा की मूर्तिकला परियोजना की 15वीं सदस्य हैं। वह चैंपियन स्प्रिंटर्स बेट्टी कथबर्ट और मार्लीन मैथ्यूज के बाद तीसरी महिला एथलीट हैं जिनकी प्रतिमा लगी है। न्यू साउथ वेल्स के एक प्रतिष्ठित कलाकार कैथी वाइजमैन ने इस प्रतिमा का निर्माण किया। इस मौके पर वाइजमैन ने कहा- मूर्तिकला उन चुनौतियों का सामना करने और परंपरा को तोड़ने के लिए साहसी बनने में सक्षम होने के बारे में बताती है। मुझे लगता है कि मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे बहुत समर्थन मिला है। बेलिंडा न्यूकासल में जन्मी दाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज हैं और एक विपुल संचायक हैं। उन्हें 23 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की बागडोर सौंपी गई थी और खेल के सुनहरे दौर में 12 साल तक देश का नेतृत्व किया। 2005 में बेलिंडा रिटायर हो गई थीं। दो विश्व कप खिताब उन्होंने जीता। ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्लार्क वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने 118 वनडे मैचों में 47.49 की औसत से 4,844 रन बनाए। इसमें पांच शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं।

अर्शदीप की एक बॉल पर बने 14 रनः मेंडिस का फ्लाइंग कैच, उमरान ने बिखेरे स्टंप्स

पुणे। श्रीलंका ने दूसरे टी-20 मैच में भारत को 16 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। इस मुकाबले के दौरान कुछ ऐसे रोचक पल बीते जो भारतीय टीम की हार के बावजूद लंबे समय तक हमें याद रहेंगे। ऐसे ही टॉप-5 मोमेंट्स को इस खबर में आगे रिविजिट करेंगे..

1. अर्शदीप को एक बॉल पर 14 रन पड़े

टीम इंडिया में वापसी कर रहे अर्शदीप सिंह का पहला ओवर बहुत बुरा रहा। पावरप्ले में दूसरे ओवर की पहली ही बॉल पर उन्हें चौका लगा। ओवर की आखिरी बॉल उन्होंने नो-बॉल फेंक दी। इस पर बैट से कोई रन नहीं आया। अगली बॉल फ्री हिट थी। मेंडिस ने इस पर चौका लगा दिया। लेकिन, अंपायर ने इसे भी नो-बॉल दे दिया। अगली बॉल पर मेंडिस ने छक्का लगा दिया। लेकिन, ये बॉल भी नो-बॉल थी। अगली बॉल पर एक ही रन आया। इस तरह 3 नो-बॉल, एक चौका, एक छक्का और एक सिंगल मिलाकर अर्शदीप के पहले ओवर की आखिरी बॉल पर 14 रन बने। उनके ओवर से कुल 19 रन आए। स्पेल के पहले ओवर में 3 नो-बॉल फेंकने के बाद अर्शदीप ने दूसरे ओवर में भी 2 नो-बॉल फेंकी। इनमें से एक पर श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका कैच आउट भी हो गए, लेकिन नो-बॉल होने के कारण वे पिच पर बने रहे। अर्शदीप के इस ओवर से 18 रन आए। उन्होंने अपना स्पेल 2 ओवर में 37 रन और 5 नो-बॉल के साथ खत्म किया। एक ही ओवर में नो-बॉल की हैट्रिक बनाने वाले अर्शदीप पहले भारतीय गेंदबाज बने। अर्शदीप टी-20 करियर में 14 नो-बॉल फेंक चुके हैं। टी-20 करियर में उनसे ज्यादा नो-बॉल साउथ अफ्रीका के मॉर्ने मॉर्केल (19) ने फेंकी हैं। पावरप्ले का चौथा ओवर शिवम मावी लेकर आए। उन्होंने भी अपने ओवर की तीसरी गेंद नो-बॉल फेंक दी। हालांकि, इस बॉल पर एक ही रन आया। अंतिम ओवरों में उमरान मलिक ने भी एक नो-बॉल फेंकी। इस तरह भारत ने मैच में कुल 7 नो-बॉल फेंकी। यह भारत द्वारा एक टी-20 मैच में फेंकी गई सबसे ज्यादा नो-बॉल थीं।

स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में तीसरे नंबर पर पहुंचे

एजेंसी ❑सिडनी

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच सिडनी में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन चायकाल तक तीन विकेट गंवाकर 394 रन बना लिए हैं। इस मैच में स्टीव स्मिथ ने बेहतरीन शतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां शतक रहा। टेस्ट शतकों के मामले में स्मिथ ने सर डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया है। ब्रैडमैन के नाम टेस्ट में 29 शतक थे।

इसके साथ ही स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे सिर्फ रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ हैं। वॉ ने 32 और पोंटिंग ने 41 शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भारत के सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 51 शतक जड़े थे। वहीं, दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक कैलिस हैं। कैलिस ने 45 शतक लगाए थे। टेस्ट मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। डेविड वॉर्नर 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद मार्नस लाबुशेन ने उस्मान ख्वाजा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी निभाई। लाबुशेन 79 रन बनाकर आउट हुए।

वहीं, इसके बाद ख्वाजा ने स्मिथ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 209 रन की पार्टनरशिप की। स्मिथ 192 गेदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 11 चौके और दो छक्के लगाए। खबर लिखे जाने तक फिलहाल ख्वाजा 172 रन और ट्रेविस हेड 17 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नॉर्त्जे ने दो और केशव महाराज ने एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरुआती दो टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है।

ईशान-हुड्डा की रैंकिंग में भारी उछाल, मुंबई में फेल होने के बावजूद सूर्यकुमार शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी ❑मुंबई

आईसीसी ने गुरुवार को ताजा रैंकिंग जारी की। भारत के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग के साथ 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दीपक हुड्डा ने शीर्ष 100 में फिर से प्रवेश किया। दोनों की रैंकिंग में मंगलवार को मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद उछाल आया। पहला टी20 भारत ने दो रन से जीता था। हुड्डा 23 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वब 40 पायदान ऊपर चढ़कर 97वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि किशन को 37 रन की तेजतर्रार पारी का इनाम मिला। मुंबई में बल्ले से विफल रहने के बावजूद सूर्यकुमार यादव टी20 बल्लेबाजों में शीर्ष पर काबिज हैं। गेंदबाजों में भारत के नए टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या नौ स्थान के सुधार के साथ 76वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने पहले टी20 में 22 रन देकर एक विकेट लिया था। टी20 गेंदबाजों में हसरंगा की रैंकिंग में भी सुधार आया है। हसरंगा ने भी बल्ले से तेजी से 21 रन बनाए और ऑलराउंडरों की नवीनतम सूची में दो पायदान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में असफल होने के बावजूद मार्नस लाबुशेन शीर्ष पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में अपना पांचवां दोहरा शतक लगाने के बाद विलियम्सन ने ताजा रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाई और पांचवें स्थान पर पहुंच गए। गेंदबाजी में पैट कमिंस ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के दौरान सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन फिर भी इंग्लैंड के अनुभवी जेम्स एंडरसन पर 37 अंकों की बड़ी बढ़त बना ली है।

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीनः छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के बुनियादी ढांचा विकास पर बातचीत

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की है। इस दौरान प्रदेश में क्रिकेट को बढ़ावा देने के प्रयासों पर बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने अजहरुद्दीन के समय के क्रिकेट से जुड़ी यादें भी ताजा की।अजहरुद्दीन रायपुर प्रवास पर आये हुए हैं। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया, 21 जनवरी को नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम के बीच वनडे मैच खेला जाना है। अजहरुद्दीन ने इस आयोजन की मेजबानी मिलने के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मुख्यमंत्री को दादा बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मोहम्मद अजहरुद्दीन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1990 से 1999 तक टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। 2009 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। मुरादाबाद से सांसद भी चुने गए।

किसी भी प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अभाव में भ्रामक हैं और इसकी पुष्टि नहीं हुई है

बैंक घोटालों में आरबीआई कर्मियों की संलिप्तता के दावे झूठे, केंद्रीय बैंक ने दाखिल किया हलफनामा

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से विभिन्न बैंकिंग घोटालों में उसके अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग वाली याचिका में जो बातें हैं वे भ्रामक और गैर-प्रमाणित हैं। आरबीआई ने न्यायालय से यह भी कहा कि उसके पास कर्मचारियों के आचरण की जांच के लिए आंतरिक तंत्र मौजूद है। स्वामी की याचिका खारिज करने की मांग करते हुए आरबीआई ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है और यह तथ्यात्मक तथा कानूनी त्रुटियों से पूर्ण है। आरबीआई ने शीर्ष अदालत में दायर एक हलफनामे में कहा, इस संबंध में, यह निवेदन किया जाता है कि याचिकाकर्ता की ओर से घोटालों को आरबीआई अधिकारियों से जोड़ने की कोशिश करने वाले दावे

याचिकाकर्ता की ओर से पेश किए गए किसी भी प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अभाव में भ्रामक हैं और इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसमें कहा गया, यह अनुरोध किया जाता है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप है, या उसके कार्यों या चूक के संबंध में प्रथम दृष्टया सबूत हैं तो उसके आचरण की जांच करने के लिए आरबीआई के पास एक आंतरिक तंत्र/ढांचा है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में कोई सबूत या विशिष्ट आरोप प्रस्तुत नहीं किया है और प्रतिवादी संस्था के खिलाफ केवल अस्पष्ट और भ्रामक आरोप लगाए गए हैं। आरबीआई ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसका एक केंद्रीय सतर्कता प्रकोष्ठ (सीवीसी) भी है, जो कर्मचारियों के आचरण की निगरानी करता है। विभिन्न बैंकिंग घोटालों में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग करने वाली सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका के जवाब में केंद्रीय बैंक की ओर से यह हलफनामा दायर किया गया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान स्वामी को हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। न्यायालय ने 17 अक्टूबर को स्वामी की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आरबीआई को नोटिस जारी किये थे। स्वामी ने आरोप लगाया है कि किंगफिशर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और यस बैंक जैसी विभिन्न संस्थाओं से जुड़े घोटालों में आरबीआई अधिकारियों के शामिल होने की जांच नहीं की गई। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरबीआई के अधिकारियों ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों का प्रत्यक्ष उल्लंघन करते हुए सक्रिय रूप से मिलीभगत की। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें अहमदाबाद के अतिरिक्त आयकर आयुक्त संतोष करनानी को अग्रिम जमानत देने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई है। करनानी को भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित किया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। इसके बाद पीठ ने मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

अमेजन में 18000 कर्मी निकाले जाएंगे, कुल कार्यबल में 6 प्रतिशत की कटौती होगी

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन 18,000 से अधिक नौकरियों को घटना चाहती है। कंपनी यह कदम लागत में कटौती करने के लिए उठा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में कहा कि प्रभावित कर्मियों को 18 जनवरी से इसकी सूचना दी जाएगी। यह कटौती फर्म के लगभग 300,000 मजबूत कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 6% है। अमेजन इतनी बड़ी छंटनी की शुरुआत करने वाली नवीनतम बड़ी आईटी कंपनी है। माना जा रहा है कि कंपनी के ग्राहकों ने अपना खर्च बढ़ने के कारण उसमें कटौती का फैसला किया है। जिससे

कंपनी को भी छंटनी का फैसला लेना पड़ा। बता दें कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने पिछले साल ही कहा था कि वह अपने कर्मचारियों की संख्या कम करेगी। जेसी ने कहा हम प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए काम कर रहे हैं। और पैकेज प्रदान कर रहे हैं जिसमें सेपरेशन पेमेंट, ट्रांजिशनल हेल्थ इंश्योरेंस बेनेफिट्स और अन्य जगहों पर जॉब प्लेसमेंट समर्थन शामिल हैं, उन्होंने कहा, अमेजन ने अतीत में अनिश्चित और कठिन आर्थिक परिस्थितियों का का सामना किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हालांकि जेसी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रभावित कर्मचारी कहां स्थित हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि फर्म यूरोप के उन संगठनों के साथ संवाद करेगी जो कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकतर छंटनी अमेजन स्टोर संचालन और इसकी पीपुल, एक्सपीरियंस व टेक्नोलॉजी टीम में होंगे।

बैंक लोकपाल के पास एटीएम कार्ड की सर्वाधिक शिकायतें, साढ़े 4 महीने में 1.86 लाख मामले दर्ज

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

बैंक लोकपाल को एक अप्रैल से 11 नवंबर, 2021 के दौरान ग्राहकों से सबसे ज्यादा एटीएम-डेबिट कार्ड और मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से जुड़ी शिकायतें मिलीं। आरबीआई ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि लोकपाल योजना-उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण प्रकोष्ठ के तहत 2021-22 के दौरान मिली शिकायतों की संख्या 2020-21 के मुकाबले 9.39 फीसदी बढ़कर 4,18,184 पहुंच गई। इनमें 3,04,496 शिकायतों का प्रबंधन आरबीआई के 22 लोकपाल कार्यालयों ने किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्राहकों से मिली कुल शिकायतों में सबसे ज्यादा 14.65 फीसदी एटीएम-डेबिट कार्ड से संबंधित थीं। 13.64 फीसदी शिकायतें मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से जुड़ी थीं। कुल शिकायतों में से करीब 90 फीसदी ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल, ई-मेल और केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत समाधान एवं निगरानी प्रणाली समेत डिजिटल माध्यमों से प्राप्त हुई। इनमें 66.11 फीसदी शिकायतों का समाधान आपसी समझौते या सुलह या मध्यस्थता के जरिये किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, लोकपाल के जरिये शिकायतों का समाधान 2021-22 में बढ़कर 97.97 फीसदी पहुंच गया। 2020-21 में यह आंकड़ा 96.59 फीसदी रहा था। पिछले वित्त वर्ष के अंत में आरबीआई लोकपाल के दायरे का विस्तार किया गया था।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 304 अंक गिरकर 60,353 पर बंद, निफ्टी भी 51 अंक फिसला

एजेंसी ❑ मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (5 जनवरी) को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 304 अंक गिरकर 60,353 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 51 अंक की गिरावट के साथ 17,992 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स के 30 में से 16 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 14 शेयरों में तेजी देखने को मिली। इससे पहले कल भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। 4 जनवरी को सेंसेक्स 636 अंक गिरकर 60,657 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 189 अंक की गिरावट के साथ 18,042 के स्तर पर आ गया था।

देश में प्रति व्यक्ति आय 2047 तक 10 हजार डॉलर होगी, जीडीपी 20 हजार डॉलर के करीब पहुंच सकती है

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने बुधवार को कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2047 तक 20,000 डॉलर के करीब पहुंच जाएगा। इससे देश में प्रति व्यक्ति आय 10,000 डॉलर (डॉलर के मौजूदा मूल्य पर) तक पहुंच सकती है। देबरॉय हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को डिजिटल तरीके से संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कहा कि भले ही कोविड-19 महामारी बीत चुकी हो, लेकिन चीन में चीन में कोविड के लौटने, रूस-यूक्रेन संघर्ष, यूरोप और अमेरिका में विकास की आशंकाओं के कारण दुनिया भर में बहुत अनिश्चितता है। देबरॉय के हवाले से आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, "अमेरिकी मुद्रा के आज के मूल्य के हिसाब से वर्ष 2047 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय 10,000 डॉलर होगी। जीडीपी का औसत आकार 20,000 अरब डॉलर होगा। यानी भारत एक परिवर्तित समाज होगा।" उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों समेत लोगों को बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की गई हैं। भारत में कोविड बाद आर्थिक संकेतकों में सुधार हुआ है। हर कोई अब 2023-24 में वृद्धि दर और 2047 तक अर्थव्यवस्था की वृद्धि को देखना चाहता है। देबरॉय ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, यूरोप तथा अमेरिका में आर्थिक वृद्धि की संभावना जैसी चीजों से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के कारण देश को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और पूंजी बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, "भारत कोई इनसे अलग-थलग नहीं है। ऐसे में हमें भी अस्थिरता का सामना करना होगा। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार, पूंजी बाजार और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। मुद्रास्फीति पर भी इन अनिश्चितताओं का असर होगा।" देबरॉय ने कहा कि भारत को एक सरलीकृत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और प्रत्यक्ष कर की आवश्यकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर हर किसी को सोचना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)